शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

रविवार उमंग

सृजन बाल गीत

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

दिनांक
11.07.2021

क्रमांक
167 से 200 तक

शैक्षिक बालगीत संकलन

भाग- 7

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। 9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

167

आम

मीठे-मीठे आम रसीले,
मुझको बड़ा ही भाते हैं।
चिंटू-मिंटू दोस्त हैं मेरे,
साथ में मिलकर खाते हैं।।

फलों के राजा तुम ही हो,
सबकी पसन्द हर बार।।
खाने का भी स्वाद बढाए
जब बने आम का अचार।।

बच्चों! है मेंगीफेरा इंडिका,
आम का वैज्ञानिक नाम।
लंगड़ा, अल्फांसो, दशहरी, चौसा
हैं अनेक किस्मों के आम।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- १
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

168

दूरदर्शिका

बच्चों! मैं टी० वी० हूँ,
दूरदर्शिका भी कहलाती।
हाल सारी दुनिया का,
आप सभी तक पहुँचाती।।

बच्चे, युवा हों या वृद्ध,
मेरा साथ सभी को पसन्द।
मैं अब हूँ और भी समृद्ध,
शिक्षा के लिए भी सबकी पसन्द।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

169

फलों का राजा

हरा-पीला होता है आम,
कितना मीठा रसीला आम!
सबके मन को भाता रसाल,
भारत का राष्ट्रीय फल है आम।।

मैंगो इंग्लिश में कहते,
अचार हम इससे रखते।
कई किस्म का यह होता है,
फलों का राजा आम कहते।।

रचना
सुगंधा अग्रवाल (स०अ०)
अं० मा० प्रा० वि० दोहा
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

170

तारे

टिमटिम करते ढेरों तारे,
कितने सुन्दर कितने प्यारे!
घनी अंधेरी रात में हमको,
राह दिखाते हैं ये तारे।

नीले, पीले और चमकीले,
बड़े और छोटे तारे हैं।
गिनती इनकी कर न पाऊँ,
ये तारे कितने सारे हैं!

रचना-
निकहत रशीद (स०अ०)
उ० प्रा० वि० निवाइच
तिन्दवारी, बाँदा

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

171

खूब पेड़ लगाएँ

आम, अमरूद, केला, जामुन,
फलदार खूब पेड़ लगाएँ।
चम्पा, चमेली, गुलाब, कनेर,
फूलों से बगिया महकाएँ।।

कद्दू, लौकी, तुरई की बेलें,
जहाँ जगह हो वहाँ लगाएँ।
छोटे पौधे गमले में लगा कर,
घर को सुन्दर चमन बनाएँ।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

172

चाँद-सितारे

आसमान में चाँद-सितारे,
झिलमिल झिलमिल करते प्यारे।
आँख-मिचौली खेलें सारे,
मन हो पुलकित देख नजारें।।

चमकें रात में जैसे हीरे,
चादर में ज्यों जड़े सितारे।
दुनिया में हैं सबसे न्यारे,
हमको लगते सबसे प्यारे।।

सुप्रिया सिंह (स० अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

173

बाल गोपाल

गाँवों के बाल गोपाल सभी,
नंगे-अधनंगे बदन लिये।
गँदले पानी में खेल रहे,
ऊधम कैसा! आनन्द किये॥

मम्मी मैं भी अब जाकर के,
उन बच्चों के संग खेलूँगा।
बारिश का लेते मजा सभी,
मैं भी बारिश में खेलूँगा॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर- 2
ऐरायाँ, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

174

साइकिल

पापा मुझे साइकिल दिला दो,
मैं उसको खूब चलाऊँगी।।
और अपने छोटे-छोटे पैरों की
कसरत भी कर पाऊँगी।।

जब पैर मेरे होंगे मजबूत,
ना मैं लडखडाऊँगी।
और बड़े हो जाने पर,
हर गाड़ी चला पाऊँगी।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि०- भरौटा
सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

175

नानी की कहानी

मेरी नानी बड़ी सयानी,
हमें सुनाती रोज कहानी।
एक था राजा, एक थी रानी,
यह कहानी बहुत पुरानी।।

कौन था राजा, कौन थी रानी,
जिनकी है यह कहानी।
एक था राजा, एक थी रानी,
लेकिन हमें भाती यही कहानी।।

रचना
प्रकृति वशिष्ठ
कक्षा-5
के० वी० पी० एस०
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

176

कुल्फी

कुल्फी का मौसम है आया,
बच्चों को यह बहुत ही भाया।
ठण्डी-ठण्डी, मीठी-मीठी,
देख कर सबका मन ललचाया।।

पापा, मम्मी पैसे दे दो,
हम भी कुल्फी लायेंगे।
सब बच्चे खाते हैं,
हम यूँ ना रह पायेंगे।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर (1-8)
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

177

अखबार

पापा ने आवाज लगाई,
मम्मी झटपट दौड़ी आई।
हाथ में था उनके अखबार,
जो था खबरों का भंडार।।

कौन यहाँ पर भोला-भाला,
किस मंत्री ने किया घोटाला।
किसकी आज हुई है शादी,
और हुई किसकी बरबादी।।

कहाँ का मौसम हुआ सुहाना,
और कहाँ मानसून है आना।
दुनियां भर की खबरें लाता,
सुबह-सुबह अखबार जब आता।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

178

समय की सीख

समय के इस विषम दौर में,
एक बात समझ में आई।
अगर निरोगी रहना है,
तो जरूरी बहुत सफाई।।

योग, नियम, प्राणायाम,
संयमित आचार-विचार।
स्वस्थ रहेगा तन और मन,
यदि हो सन्तुलित आहार।।

रचना-
हरवंश श्रीवास्तव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बंशीडेरा
तिन्दवारी, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

179

अच्छे बच्चे

अच्छे बच्चे जल्दी उठते,
बड़ों का अभिवादन करते।
नहा-धोकर स्कूल पहुँचते,
अपना काम समय से करते।।

शिक्षक की बात ध्यान से सुनते,
अपना सबक याद करते।
खेलकूद में आगे रहते,
सदा ही मुस्कुराते रहते।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

180

सावन

रिमझिम-रिमझिम बारिश आयी,
साथ में अपने खुशियाँ लायी।
सावन की फुहार है आयी,
नयी-नयी हरियाली लायी॥

चिंकी, पिंकी, मोना रिंकी,
आओ मिलकर झूला डालें।
गीत सावन के गाकर हम-सब,
साथ में मिलकर झूला झूलें॥

रचना :- शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन संवाद शिक्षण शिक्षक का सम्मान।

9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

181

बन्दर जी की मंगनी

आज खुशी का दिन था आया,
जंगल में था मंगल छाया।
भालू काका पहनकर चश्मा,
गाड़ी में कर रहे करिश्मा।।

बन्दर जी की आज थी मंगनी,
बन्दर जी ने शेरवानी पहनी।
बन्दरिया जी सज कर आयी,
सबने दावत खूब उड़ायी।।

हाथी दादा ने गीत हैं गाये,
लोमड़ी ने ठुमके हैं लगाये ।
अँगूठी बन्दरिया को पहनायी,
सबने मिलकर रस्म निभायी।।

रचना

श्रीमती शुभा देवी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

182

मेरा परिवार

मम्मी मेरी भोली-भाली,
पापा मेरे प्यारे हैं ।
मम्मी, पापा दोनों मेरे,
सारे जग से न्यारे हैं।।

दादी खूब सुनायें कहानी,
दादा खूब हँसाते हैं।
दादी-दादा दोनों मेरे,
सारे जग से न्यारे हैं।।

भैया रोज पढ़ाते मुझको,
और खेल खिलाते हैं।
भैया मेरे प्यारे-प्यारे,
सारे जग से न्यारे हैं।।

रचना - अंशिका यादव (छात्रा),
कक्षा - 5, प्रा० वि० चौरादेव,
पुवॉरका, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

183

चूहे की सगाई

चूहा-चूहिया की हुई सगाई,
बाजे ढोल और शहनाई।
मामा आये मामी आयी,
साथ में लाये खूब मिठाई।।

जब उपहार की बारी आयी,
चूहेदानी पड़ी दिखायी।
सारे भागे दुम दबाकर,
बिल में घुसने की बारी आयी।।

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पूठी
किला परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

184

सावन

सावन जब-जब आता है,
खूब बादल बरसाता है।
रिमझिम-रिमझिम वर्षा होती,
नदियाँ खूब मचलती रहतीं।।

सुबह शाम वर्षा-वर्षा,
इस वर्षा से बहुत डर लगता।
बिजली चमकती, बादल गिरता,
सब रहते हैं सहमे-सहमा।।

सड़क रास्ते सब टूट जाते,
जगह-जगह पत्थर गिरते।
लगता बहुत ही डरावना,
ऐसा आता सावन अपना।

रचना :-
कु० इसिका (छात्रा)
कक्षा- 5
रा० प्रा० वि० जैली,
ब्लॉक-जखोली, रुद्रप्रयाग

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

185

मेरी मम्मी

मेरी मम्मी, ओ प्यारी मम्मी,
सारे जग से है न्यारी मम्मी।
अच्छी बातें सिखाती मम्मी,
खेल भी हमें खिलाती मम्मी।।

झगड़ना नहीं सिखाती मम्मी,
सम्मान करना सिखाती मम्मी।
पढ़ाई रोज हमें करवाती मम्मी,
खेल खिलौने दिलवाती मम्मी।।

सब्जी और रोटी खिलाती मम्मी,
गाकर लोरी हमें सुलाती मम्मी।
मेरी मम्मी ओ प्यारी मम्मी,
सारे जग से है न्यारी मम्मी।।

रचना :-
कु० खुशी नेगी (छात्रा)
कक्षा - 3
रा० प्रा० वि० नीलकण्ठ
ब्लॉक - यमकेश्वर,
जिला - पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

186

बच्चे दो ही अच्छे...

बच्चे दो ही अच्छे,
बनें माता-पिता के सहारे।
जनसंख्या कानून में जो,
सरकार को लगते प्यारे।।

मानव अब समझ चुका है,
विकास इसी से रूका है।
होले-होले जब कदम बढ़े,
एक से दो आकर सीढ़ी चढ़े।।

प्रस्तावित कानून के अन्दर,
सरकार का कार्य है सुन्दर।
दो से ज्यादा बिल्कुल नहीं,
होने पर सुख-सुविधाएँ नहीं।।

रचना-
ऋषि कुमार दीक्षित (स०अ०)
प्रा० वि० भटियार
वि० क्षे०- निधौली कलां (एटा)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

187

••• विश्व जनसंख्या दिवस •••

जनसंख्या वृद्धि बनी,
विश्व के लिए चुनौती।
संसाधनों की होती कमी,
जरूरतें न पूरी होती।।

रोटी, कपड़ा और मकान,
मुख्य जरूरत होती।
बढ़ती आबादी के कारण,
वो भी न पूरी होती।।

बाल विवाह, अन्धविश्वास,
और अशिक्षा न होती।
तो भारत की जनसंख्या,
आज नियंत्रित होती।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
वि० क्षे०- निधौलीकलां (एटा)

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

188

सूरज

सूरज आया, सूरज आया,
देखो लालिमा में छाया।
पूरब से आता है,
पश्चिम में छुप जाता है।।

गोल-गोल सूरज देखो,
गोल-गोल पृथ्वी देखो।
चक्कर एक पूरा करता है,
घूम-घूम कर गोल देखो।।

ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
विकास क्षेत्र-मवाना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

189

आलू राजा

बच्चों! मैं हूँ आलू राजा,
हर सब्जी की शान बढ़ाता।
गाजर, गोभी, मटर, टमाटर,
चाहे जिसमें मैं मिल जाता।।

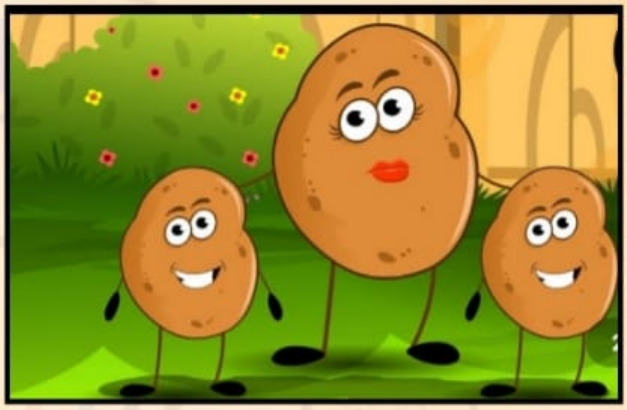

कचौड़ी, पकौड़ी और पराँठा,
देख सभी का मन ललचाता।
जो भी मुझको जम कर खाता,
बच्चों! अपनी तोंद फुलाता।।

रचना
स्नेह लता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

190

हमारी रेल

आओ बच्चों खेलें इक खेल,
मिलकर बनाएँ अपनी रेल।
आगे-पीछे जुड़कर हम सब,
चलो बनाएँ अपनी लम्बी रेल।।

जो तोड़ेगा हमारी खेल की रेल,
उसको जाना पड़ेगा बड़ी जेल।
प्यार से हम सब मिलकर खेलें,
बढ़ता है सारे बच्चों का मेल।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

191

रेल

छुक-छुक करके आती रेल,
धुआं उड़ाती जाती रेल।
आगे इंजन पीछे डब्बे,
पटरी पर दौड़ी जाती रेल।।

यात्रियों को ले जाती रेल।
शोर मचाती जाती रेल,
स्टेशन पर आती रेल,
बच्चों को भी भाती रेल।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि ० अमरौधा, प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

192

पतंग

उड़ी-उड़ी मेरी प्यारी सी पतंग,
उड़ चली आसमान में।
इठलाती, बलखाती,
गोते लगाती आसमान में।।

इसको काटे, उसको काटे,
खूब पेंच लड़ाती आसमान में।
नीली, पीली पूँछ हिलती,
मटक-मटक उड़ती जाती आसमान में।।

रचना

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

193

बन्दर मामा की सगाई

बन्दर मामा की हुई सगाई,
बंदरिया ने माला पहनाई।
लड्डू, पेड़े, बर्फी, केले,
खा-खा कर सब साथी निकले।।

नाचे फिर सब झूम-झूम के,
गाने गाए घूम-घूम के।
दोनों को दी सबने बधाई,
शादी तुम्हें मुबारक भाई।।

रचना-
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर-1
सिकन्दरपुर कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

194

सीखो अच्छी बातें

फूलों से सीखो खुशबू फैलाना,
सूरज से सीखो रौशनी फैलाना।
आकाश से सीखो व्यापक बनना,
पहाड़ से सीखो मज़बूत बनना।।

पेड़ से सीखो परोपकारी बनना,
समुद्र से सीखो गम्भीर बनना।
नदी से सीखो चलते रहना,
धरती से सीखो धैर्य धरना।।

आग से सीखो तपकर शुद्ध बनना,
मिट्टी से सीखो नम्र-उपयोगी बनना।
हवा से सीखो अविरल बहते रहना,
जल से सीखो जीवन देना।।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

195

धान का सीजन

धान का सीजन आया है,
पापा ने धान लगाया है।
किसानों ने भी धान लगाया है,
बड़ी मेहनत से इसे उगाया है।।

धान को कुटवाया है,
हमने चावल बनाया है।
बखीर उसका बनाया है,
पूड़ी के साथ खाया है ।।

अवंशिका सिंह (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

196

पेड़

पापा मुझको पेड़ लाना,
मैं भी बाग लगाऊँगा।
पानी देकर अपने पेड़ों को,
सुन्दर बड़ा बनाऊँगा।।

सुन्दर-सुन्दर फूल खिलेंगे,
तितली उसमें आएगी।
छाँव भी देंगे पेड़ मेरे,
ठण्डी हवा भी आएगी।।

शाम को उन पेड़ों के नीचे,
हम सारे बच्चे खेलेंगे।
सावन में डालकर झूला,
हम सब मिलकर झूलेंगे।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

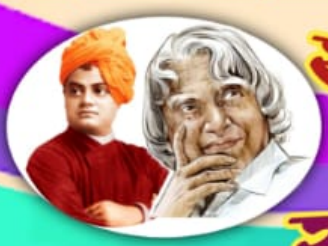

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

197

हमारा राष्ट्रीय ध्वज

आओ बच्चों तुम्हें कराएँ,
राष्ट्र ध्वज तिरंगा की पहचान।
केसरिया, श्वेत, हरे रंग की पट्टी,
बीच में अशोक चक्र का निशान।।

राष्ट्रीय पर्व जब-जब आते,
विद्यालयों में राष्ट्र ध्वज लहराते।
करके जन-गण-मन का गान,
देश प्रेम का पाठ पढ़ाते।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

198

जामुन बड़े निराले

डाली-डाली, काले-काले,
बड़े मधुर हैं लगने वाले।
डाली हिलते, गिरते जाते,
बीन-बीन हैं रखते जाते।।

भरी टोकरी छोटी वाली,
राधा की न झोली खाली।
सबने जामुन मीठे खाये,
जामुन मीठे सबको भाये।।

रचना
सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

199

रसीले आम

हरा-हरा मैं पीला-पीला,
रस है मेरा बड़ा रसीला।
अचार मेरा खट्टा-खट्टा,
आमरस भी बड़ा रसीला।।

गर्मी के मौसम में आऊँ,
फलों का मैं राजा कहलाऊँ।
बूझो तो क्या है नाम?
सब कहते हैं मुझको आम।।

रचना-
नौरीन सआदत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रिसौरा
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

रविवार उमंग सृजन बालगीत

दिनांक 11.07.2021

200

•• प्यारे बच्चों ••

तुम स्वर्ण के जैसे खरे बनो,
तुम वृक्षों जैसे बड़े बनो।
तुम अचल, धीर पर्वत जैसे,
तुम सागर से गम्भीर बनो।।

बनो सत्य, न्याय के अनुयायी,
बनो महादेव से विषपायी।
दीन-हीन की रक्षा का तुम करो,
अर्जुन सा सर सन्धान करो।।

निर्बल जन की तुम शक्ति बनो,
आरुणि जैसी गुरुभक्ति करो।
बनो बुद्ध के जैसे शान्त हृदय,
मानवता का कल्याण करो।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
वि० क्षे०- मऊ (चित्रकूट)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ।

9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत - भाग 07

रचनाकारों की सूची

167- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
168- अंजू गुप्ता, बाँदा
169- सुगन्धा अग्रवाल, बाँदा
170-निकहत रशीद, बाँदा
171- रश्मि शर्मा, सीतापुर
172-सुप्रिया सिंह, सीतापुर
173- रामचन्द्र सिंह, फतेहपुर
174- माला सिंह, मेरठ
175- प्रकृति वशिष्ट, मेरठ
176- भावना शर्मा, मेरठ
177- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
178- हरवंश श्रीवास्तव, बाँदा
179- भावना जैन, बागपत
180-शिप्रा सिंह, फतेहपुर
181- शुभा देवी, फतेहपुर
182- अंशिका (छात्रा) सहारनपुर
183- मोना शर्मा, मेरठ
184- कु० इसिका राणा (छात्रा)उत्तराखण्ड
185-कु० खुशी नेगी (छात्रा) उत्तराखण्ड
186-ऋषि कुमार, एटा
187- नीतू सिंह, एटा
188- ऊषा रानी मेरठ
189-स्नेह लता, मेरठ
190-ज्योति सागर, बागपत
191-मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
192- रचना रानी, मेरठ
193-डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
194- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
195- अवंशिका सिंह (छात्रा) चन्दौली
196-शहनाज़ बानो, चित्रकूट
197-अमित गोयल, बागपत
198- सतीश चन्द्र, सीतापुर
199- नौरीन सआदत, बाँदा
200- आर० के० शर्मा, चित्रकूट

तकनीकी सहयोग

1- शिखा वर्मा, सीतापुर 2- जितेन्द्र कुमार, बागपत
3- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर 4- मन्जू शर्मा, हाथरस

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम